an>

Title: Need to increase the number of Municipal Wards in Delhi.

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली) : माननीय अध्यक्ष जी, दिल्ली में म्युनिसिपल चुनाव आने वाले हैं। म्युनिसिपल वार्ड्स की संख्या 272 है। इस बीच में दिल्ली की जनसंख्या बहुत अधिक बढ़ी है और बढ़ी हुई जनसंख्या के कारण वार्ड्स को दोबारा रेखांकित किया गया है। इस बात के बावजूद म्युनिसिपल एरिया केवल जो स्थापित कालोनियां हैं, वहां होता है। ...(व्यवधान) आउटर दिल्ली जैसी जगह पर अनआर्गेनाइज, इरैगुलर और अनआथोराइज कालोनियां हैं और वहां वार्ड्स की संख्या को बढ़ाया जा रहा है। मेरे क्षेत्र में जहां एस्टेबलिश कालोनियां हैं, वहां म्युनिसिपल वार्ड्स की संख्या को बहुत अधिक मात्रा में घटाया जा रहा है।...(व्यवधान) इस कारण प्रशासनिक व्यवस्था में बहुत बड़ी दुविधा होने वाली है। जिन क्षेत्रों में म्युनिसिपल कार्पोरेशन का अधिकार नहीं है, वहां नंबर बढ़ाए जा रहे हैं और जहां म्युनिसिपल कार्पोरेशन का अधिकार है, वहां नंबर घटाया जा रहा है। पहले ही पूरे राज्य की व्यवस्था अव्यवस्थित है, इससे और अव्यवस्था बढ़ेगी। इस तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए कि म्युनिसिपल वार्ड्स की संख्या को बढ़ाया जाए। ...(*Interruptions*) There is nothing sacrosanct about 272 number. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री शरद त्रिपाठी,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

डॉ. किरीट पी. सोलंकी को श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

12.18 hours

(At this stage Dr. Kakoli Ghosh Dastidar and some other hon. Members went back to their seats)